



बजट में बढ़िया, उपज में शानदार

- **Guaranteed Satisfaction**
- **Only Service Of The Farmer**
- **The Best & Trusted Quality**



इन्डो बायो एग्रो इण्डस्ट्रीज़ का वादा



दाम कम उपज ज्यादा इन्डो बायो एग्रो इण्डस्ट्रीज का वादा

सेवा में, किसान भाईयों, हम सन् 1995 से लगातार किसान भाईयों की सेवा में समर्पित हैं। गुणवत्ता का आधार हमारा उद्देश्य है, जिसके लिए हम सदैव प्रयत्नशील रहते हैं। हम उच्चकोटि के उत्पाद बनाने में विश्वास रखते हैं, जिससे कि फसल गुणवत्तायुक्त, निरोगी व भरपूर हो एवं किसान भाईयों को फायदा हो।

भवदीय,
प्रमेश कुमार तायल, रवि कुमार गोयल





दाम कम उपज ज्यादा इन्डो बायो एग्रो इण्डस्ट्रीज का वादा



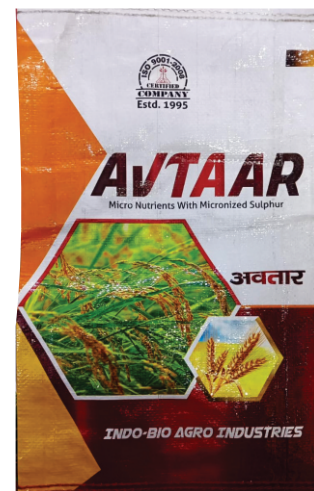
अवतार

तकनीकी नाम: माइक्रो न्यूट्रिएन्ट्स विद माइक्रोनाईज्ड सल्फर
विशेषताएँ : अवतार के प्रयोग से फसलों की अत्यधिक पैदावार एवं उत्तम गुणवत्ता मिलती है अवतार कम्पनी का एक रिसर्च उत्पाद है। इसमें सल्फर, पोटाश, जिंक, मैग्नीशियम, फेरस, प्राकृतिक रूप में होते हैं एवं विभिन्न प्रकार के एमिनो एसिड्स व ह्यूमिक एसिड का भी समावेश है। यह पौधों की जड़ों एवं पूर्ण वानस्पतिक विकास में सहायक होता है। इसमें उपस्थित सल्फर पौधों में फफूंद आने से रोकता है व तिलहन की फसलों में तेल का उतारा बढ़ाता है। अवतार किसी भी प्रकार के फर्टीलाइजर्स के साथ मिलाकर उपयोग किया जा सकता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जा सकता है।

प्रयोग की मात्रा: 8 Kg प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार

उपलब्ध पैकिंग: 8Kg.



बोरो-वैट

तकनीकी नाम: वैटिंग एजेंट।
विशेषताएँ: यह आयोनिक आधारित गीला होकर फैलने वाला एजेंट है। यह हर तरह के फफूंदनाशकों, कीटनाशकों व खरपतवारों के साथ इस्तेमाल में सुरक्षित है। यह गीलेपन की शक्ति को बढ़ाकर वितरण क्रिया को बेहतर बनाता है। जिससे किसी भी कीटनाशक आदि की कम मात्रा भी पौधों की पत्तियों एवं सतह के ज्यादा स्थान पर असर करती है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जा सकता है।

प्रयोग की मात्रा: 50 मि0ली0 प्रति 100 लीटर पानी के घोल में पर्णय छिड़काव फसलों की अवस्थानुसार

उपलब्ध पैकिंग: 1 Liter, 500 MI, 250 MI, 100 MI, 50 MI.



बोरो-जाईम

तकनीकी नाम: प्रोटीन हाइड्रोलाइजेट (अमीनो एसिड्स)
विशेषताएँ: इसके प्रयोग से फसल की निरोगी व सशक्त बढ़ोत्तरी होती है। जड़ प्रणाली मजबूत होती है एवं जड़ों को गहराई तक प्रवेश करने में मदद करता है, जिससे जड़ों के भोजन का क्षेत्रफल बढ़ जाता है। फसल हरी भरी रहती है। फल धारण करने वाली शाखाओं की संख्या में वृद्धि होती है। फूल-फल का क्षरण रुक जाता है। प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति बढ़ती है। निश्चित रूप से उत्पादन में वृद्धि होती है। फल का आकार भी बढ़ जाता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 250 MI से 400 MI प्रति एकड़ का पर्णय छिड़काव फसल की अवस्था के अनुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 1 Liter, 500 MI, 250 MI, 100 MI, 50 MI





दाम कम उपज ज्यादा इन्डो बायो एग्रो इण्डस्ट्रीज का वादा

बायो-कुलान

तकनीकी नाम: बायो एक्टीवेटर।

विशेषताएँ यह प्रकाश संश्लेषण क्रिया को बढ़ाने में सहायक है जिससे पौधों को दी गयी खाद का अवशोषण बढ़ जाता है व फसल का विकास ज्यादा होता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, सब्जियों, आलू, जीरा, घोडा जीरा, लहसून, मिर्च, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 100 MI से 150 MI प्रति एकड़ पौधे की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 1 Litre, 500 MI, 250 MI, 100 MI, 50 MI



बोरो-प्लेक्स

तकनीकी नाम: सूक्ष्म पौषक तत्व मिश्रण तरल।

विशेषताएँ बोरो-प्लेक्स के प्रयोग से फसलों की अधिक पैदावार एवं बेहतर गुणवत्ता मिलती है। पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करता है। बोरो प्लेक्स के प्रयोग से दलहन, तिलहन एवं अन्य फसलों में प्रोटीन, स्टार्च, तेल की मात्रा एवं अन्य पौष्टिक तत्वों की वृद्धि होती है। बोरो-प्लेक्स पौधों की जड़ों एवं पूर्ण वानस्पतिक विकास में सहायक होता है। पौधों में पाये जाने वाले एंजाइमों का निर्माण करता है, जो पौधों की अनेक जैविक क्रियाओं व खाद्य संचरण जैसी क्रियाओं में उत्प्रेरक का कार्य करता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 250 MI से 500 MI प्रति एकड़ पर्णिय छिड़काव फसल की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 1 Litre, 500 MI, 250 MI, 100 MI, 50 MI



बायोअमृत-20

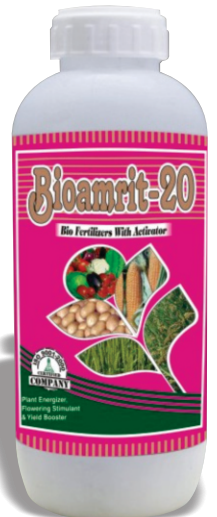
तकनीकी नाम: नाइट्रोबेनजीन 20%

विशेषताएँ: हर प्रकार की फसल के लिए एक शक्तिवर्धक उत्पाद है। फूलों का झड़ना कम हो जाता है व कल्लों की संख्या में निश्चित रूप से वृद्धि करता है। फसल की गुणवत्ता में सुधार होता है। इसका प्रयोग पेस्टीसाइड, इंसेक्टिसाइड एवं फंगीसाइड के साथ किया जा सकता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 50 MI से 100 MI प्रति एकड़ का पर्णिय छिड़काव फसल की अवस्था के अनुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 1 Litre, 500 MI, 250 MI, 100 MI, 50 MI





दाम कम उपज ज्यादा इन्ड्री बायो एग्री इण्डस्ट्रीज का वादा

बोरोलाईट-के (बहुसूक्ष्म भू सुधारक)

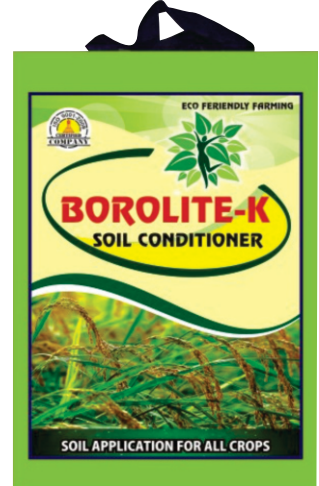
तकनीकी नाम: पोटाश, कैल्शियम युक्त बहुसूक्ष्म पौषक तत्व युक्त।

विशेषताएँ: इसके उपयोग से फल की बाहरी परत मजबूत एवं चमकदार बनती है। फल में फटन की शिकायत खत्म हो जाती है। कोशिका विभाजन के बढ़ने से पौधे का विकास होता है। पौधे का आकार, स्थायित्व और नयी झिल्लियाँ बनाने का कार्य करता है। रोग-प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करता है। यह पौधों की जड़ों एवं पूर्ण वानस्पतिक विकास में सहायक होता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जा सकता है।

प्रयोग की मात्रा: 500 Gm से 1 Kg. प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 10 Kg.



बोरो-प्लेक्स (कैल्शियम क्लोराइड)

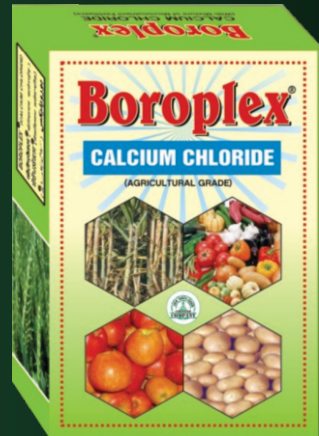
तकनीकी नाम: कैल्शियम क्लोराइड युक्त सूक्ष्म पौषक तत्व मिश्रण खाद।

विशेषताएँ: कैल्शियम का पौधे के लिए विशेष महत्व है। यह पौधे का आकार स्थायित्व और नयी झिल्लियाँ बनाने का कार्य करता है। यह पौधे के भीतर टक्कर रोक का काम करता है एवं दूसरे हानिकारक विषैले रासायनों, जो कि दूसरे पौषक तत्वों से आते हैं, का असर भी खत्म करता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 500 Gm से 1 Kg. प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 1 Kg. व 500 Gm



बोरो-मिंट

तकनीकी नाम: सल्फर युक्त सूक्ष्म पौषक तत्व मिश्रण

विशेषताएँ : यह मेंथा की फसल के लिए विशेष तकनीकी द्वारा बनाया गया उत्पाद है। इसके उपयोग से मेंथा की फसल स्वस्थ एवं अधिक उपज होती है व तेल का उतारा निश्चित रूप से बढ़ता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग मेंथा की फसल में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 500 Gm से 1 Kg. बोरोमिंट को पानी में मिलाकर एक एकड़ में पर्णाय छिड़काव करना चाहिए।

उपलब्ध पैकिंग: 500 Gm.



दाम कम उपज ज्यादा इन्ड्री बायो एग्री इण्डस्ट्रीज का वादा

बोरो-फैरस

तकनीकी नाम: फैरस सल्फेट 19%

विशेषताएँ: इसके प्रयोग से पौधों में आयरन की कमी दूर होती है। पौधों में विभिन्न रोगों से लड़ने की शक्ति बढ़ती है। पौधों के पौषण में प्रोटीन, हारमोन, कारबोहाइड्रेट आदि की उपलब्धता बढ़ती है व पैदावार में निश्चित रूप से वृद्धि होती है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 5 Kg से 10 Kg. प्रति एकड़ बुरकाव फसल की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 10 Kg., 5 Kg व 1 Kg



बोरोनेक्स

तकनीकी नाम: बोरोन 9%

विशेषताएँ: पौधे में कोशिका विभाजन के लिए मुख्य तत्व है। फूल की परागनली को बढ़ाने में सहायक है, जिससे फल की मात्रा ज्यादा हो जाती है। मुख्यतः सभी फसलों में फटन को रोकने में सहायक है।

उपयोगिता: इसका उपयोग आम, गन्ना, लीची, बंदगोभी, फूलगोभी, सेब आदि में मुख्यतः किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 500 Gm से 1 Kg प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 1 Kg. व 500 Gm



बोरो-सल्फर

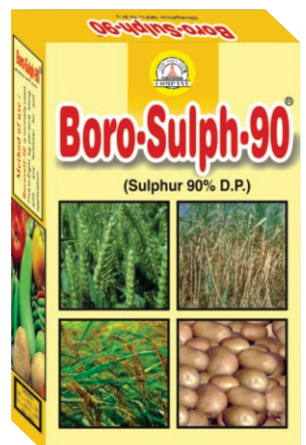
तकनीकी नाम: सल्फर 90% डी.पी.

विशेषताएँ: यह फसल की अन्दरूनी रक्षा प्रणाली का एक हिस्सा है। यह कुदरती संरक्षक के रूप में फसल के सफेद मस्सी जैसी बिमारियों एवं चाय, कपास, मिर्च व अंगूर आदि फसलों को लाल स्पाइडर माइट नामक कीट से बचाता है। दलहनी फसलों में प्रोटीन्स की मात्रा में वृद्धि करता है। यह फफूंदनाशक होने की वजह से फफूंद रोकता है। यह पौधे की जड़ों में राइजोबियम की गांठें बढ़ाता है जिससे नाइट्रोजन, फास्फोरस आदि तत्वों का अवशोषण अधिक होता है। यह फसलों में लाल मकड़ी की रोकथाम करता है। तेल वाली फसलों में तेल का उतारा बढ़ाता है। नेत्रजन की चयापचय क्रिया को बढ़ाता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, गन्ना, आलू, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, जीरा, धनियाँ अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 2.5 Kg. से 5 Kg. प्रति एकड़ फसल की अवस्था व मौसम के तापमान के अनुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 10 Kg., 5 Kg., 1 Kg., 500 Gm.





दाम कम उपज ज्यादा इन्डी बायो एग्री इण्डस्ट्रीज का वादा

भू-जीवन गोल्ड

तकनीकी नाम: माइक्रो सल्फर युक्त सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण

विशेषताएँ:

तत्वों की भरपूर मात्रा होने के कारण इसके प्रयोग से फसलों की अत्यधिक पैदावार एवं अति उत्तम गुणवत्ता मिलती है। पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करता है। इसके प्रयोग से खाद्यान्न, तिलहन, दलहन एवं अन्य सभी फसलों में प्रोटीन, स्टार्च, तेल की मात्रा एवं अन्य पौष्टिक तत्वों की वृद्धि होती है। पौधों की जड़ों एवं पूर्ण वानस्पतिक विकास में सहायक होता है। पौधों में पाये जाने वाले एन्जाइमों का निर्माण करता है। जो पौधों की अनेक जैविक खाद एवं खाद संचरण जैसी क्रियाओं में उत्प्रेरक का कार्य करता है। इसमें उपस्थित सल्फर पौधों में फफूंद को आने से रोकता है व हरितिमा का विकास करता है। जड़ों में राइजोबियम की गांठें बढ़ाता है। जिससे नाइट्रोजन, फास्फोरस आदि तत्वों का अवशोषण अधिक होता है। फसलों में लाल मकड़ी की रोकथाम भी करता है।

उपयोगिता:

इसका प्रयोग गेहूँ, धान, गन्ना, आलू, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेट आदि सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जा सकता है।

प्रयोग की मात्रा: भू-जीवन गोल्ड का प्रयोग प्रति एकड़ 4kg. से 8Kg. फसल की अवस्थानुसार करना चाहिए।

उपलब्ध पैकिंग: 5Kg, 1Kg.



बोरोविटा

तकनीकी नाम: समुंद्री घास ऑर्गेनिक खाद्य

विशेषताएँ:

जड़ों को स्वस्थ एवं अधिक शाखाओं के साथ गहराई तक प्रवेश करने में मदद करता है। जिससे जड़ों के भोजन का क्षेत्रफल बढ़ जाता है। जिससे पौष्टिक तत्वों को प्रभावशाली ढंग से ग्रहण करने में पौधों की क्षमता कई गुणा बढ़ जाती है। पौधों में फूल, फल व कल्लों की संख्या में बढ़ोत्तरी करता है। फूल व फलों का क्षरण रोकता है एवं संख्या में वृद्धि करता है। जिसके परिणामस्वरूप फसल की पैदावार ज्यादा मिलती है। पौधों में पत्तों द्वारा प्रकाश संश्लेषण की क्रिया की तीव्रता को बढ़ाता है अर्थात् कम समय में ज्यादा भोजन का निर्माण होता है।

उपयोगिता:

इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेट आदि सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 5Kg प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार बुरकाव करना चाहिए।

उपलब्ध पैकिंग: 50 Kg, 1Kg.



बोरो-प्लेक्स (हाई जिक)

तकनीकी नाम: सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण

विशेषताएँ:

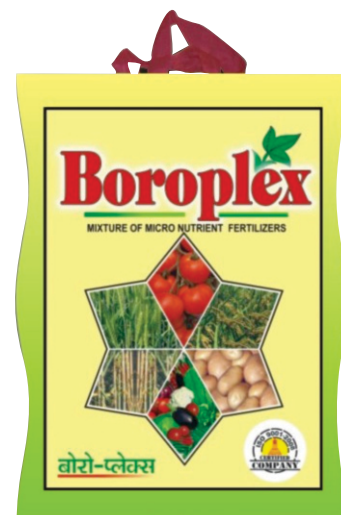
बोरो-प्लेक्स के प्रयोग से फसलों की अधिक पैदावार एवं बेहतर गुणवत्ता मिलती है। पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करता है। बोरो-प्लेक्स के प्रयोग से दलहन, तिलहन एवं अन्य फसलों में प्रोटीन, स्टार्च, तेल की मात्रा एवं अन्य पौष्टिक तत्वों की वृद्धि होती है। बोरो-प्लेक्स पौधों की जड़ों एवं पूर्ण वानस्पतिक विकास में सहायक होता है। पौधों में पाये जाने वाले एन्जाइमों का निर्माण करता है, जो पौधों की अनेक जैविक क्रियाओं व खाद्य संचरण जैसी क्रियाओं में उत्प्रेरक का कार्य करता है।

उपयोगिता:

इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 5 Kg. से 10Kg प्रति एकड़ बुरकाव फसल की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 10Kg, 5 Kg, 1 Kg.



दाम कम उपज ज्यादा इन्ड्री बायो एग्री इण्डस्ट्रीज का वादा

बोरो-प्लेक्स

तकनीकी नाम: सूक्ष्म पौषक तत्व मिश्रण

विशेषताएँ: बोरो-प्लेक्स के प्रयोग से फसलों की अधिक पैदावार एवं बेहतर गुणवत्ता मिलती है। पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करता है। बोरो-प्लेक्स के प्रयोग से दलहन, तिलहन एवं अन्य फसलों में प्रोटीन, स्टार्च, तेल की मात्रा एवं अन्य पौष्टिक तत्वों की वृद्धि होती है। बोरो-प्लेक्स पौधों की जड़ों एवं पूर्ण वानस्पतिक विकास में सहायक होता है। पौधों में पाये जाने वाले एंजाइमों का निर्माण करता है, जो पौधों की अनेक जैविक क्रियाओं व खाद्य संचरण जैसी क्रियाओं में उत्प्रेरक का कार्य करता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 500 Gm से 1 Kg प्रति एकड़ पर्णय छिड़काव फसल की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 500 Gm



बोरो-जाइम

तकनीकी नाम: प्रोटीन हाइड्रोलाइजेट (अमीनो एसिड्स)

विशेषताएँ: फसल की निरोगी व सशक्त बढ़ोत्तरी होती है। जड़ प्रणाली मजबूत होती है। फसल हरी भरी रहती है। फल धारण करने वाली शाखाओं की संख्या में वृद्धि होती है। फूल-फल का क्षरण रुक जाता है। प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति बढ़ती है। निश्चित रूप से उत्पादन में वृद्धि होती है। फल का आकार भी बढ़ जाता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 8 Kg. से 10 Kg. प्रति एकड़ का बुरकाव फसल की अवस्था के अनुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 50 Kg, 25 Kg, 20 Kg, 10 Kg, 8 Kg, 5 Kg.



बायो-गोल्ड-25 जी

तकनीकी नाम: नाइट्रोबेनज़ीन 25% जी0

विशेषताएँ: हर प्रकार की फसल के लिए एक शक्तिवर्धक उत्पाद है। फूलों का झड़ना कम हो जाता है व कल्लों की संख्या में निश्चित रूप से वृद्धि करता है। फसल की गुणवत्ता में सुधार होता है। इसका प्रयोग पेस्टीसाइड, इंसेक्टिसाइड एवं फंगीसाइड के साथ किया जा सकता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 1Kg से 1.5 Kg प्रति एकड़ का बुरकाव फसल की अवस्था के अनुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 1Kg



दाम कम उपज ज्यादा इन्ड्री बायो एग्री इण्डस्ट्रीज का वादा

बोरोजिंक-33%

तकनीकी नाम: जिंक सल्फेट 33% (मोनो हाइड्रेट)

विशेषताएँ:

यह पौधों के अन्दर बनने वाले हारमोन एवं एन्जाइम के निर्माण में अत्यंत सहायक है। जिंक की उपस्थिति से प्रकाश संश्लेषण की क्रिया में तीव्रता आ जाती है। इसके प्रयोग से पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। यह पौधों की जड़ों एवं पूर्ण वानस्पतिक विकास में सहायक है। इसकी कमी से पौधों की पत्तियों पर रिंग के आकार के पीले धब्बे पड़ जाते हैं। यह पौधों की अनेक जैविक क्रियाओं एवं खाद्य संचरण जैसी क्रियाओं में उत्प्रेरक का कार्य करता है।

उपयोगिता:

इसका प्रयोग गेहूँ, धान, गन्ना, आलू, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों व आम तथा अन्य फलदार फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 5 Kg. प्रति एकड़ का बुरकाव व 1 Kg. प्रति एकड़ का पर्णाय छिड़काव।

उपलब्ध पैकिंग: 5 Kg, 4 Kg, 1 Kg, 300 Gm, 250 Gm.



बायो-कुलान

तकनीकी नाम: बायो एक्टीवेटर।

विशेषताएँ:

यह Photosynthesis क्रिया को बढ़ाने में सहायक है जिससे पौधों को दी गयी खाद का अवशोषण बढ़ जाता है व फसल का विकास ज्यादा होता है।

उपयोगिता:

इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, सब्जियों, आलू, जीरा, घोड़ा जीरा, लहसून, मिर्च, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 5Kg से 10Kg प्रति एकड़ पौधों की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 10 Kg, 5 Kg, 1 Kg.



बायोअमृत-3 जी

तकनीकी नाम: नाइट्रोबेनजीन 3% जी0

विशेषताएँ:

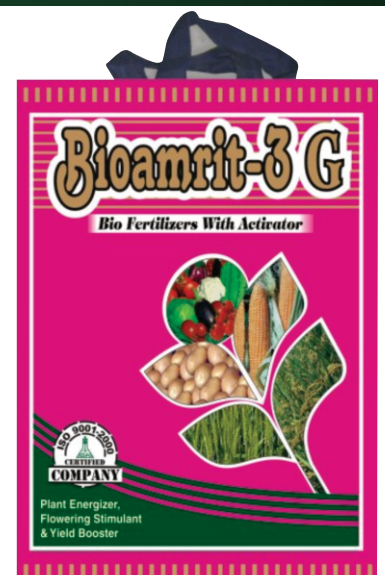
हर प्रकार की फसल के लिए एक शक्तिवर्धक उत्पाद है। फूलों का झड़ना कम हो जाता है व कल्लों की संख्या में निश्चित रूप से वृद्धि करता है। फसल की गुणवत्ता में सुधार होता है। इसका प्रयोग पेस्टीसाइड, इंसेक्टिसाइड एवं फंगीसाइड के साथ किया जा सकता है।

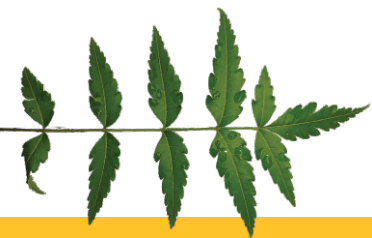
उपयोगिता:

इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 5Kg से 10Kg प्रति एकड़ का बुरकाव फसल की अवस्था के अनुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 25 Kg, 20 Kg, 10 Kg, 5 Kg.





दाम कम उपज ज्यादा इन्ड्री बायो एग्री इण्डस्ट्रीज का वादा



बोरो-प्लेक्स (गन्ना स्पेशल)

तकनीकी नाम: सूक्ष्म पौषक तत्व मिश्रण

विशेषताएँ: यह एक उच्च क्वालिटी के सूक्ष्म पौषक तत्वों की मिश्रित खाद है। इसके प्रयोग से गन्ने की फसल में निश्चित रूप से बढ़ोत्तरी होती है एवं पौधे में रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। यह पौधे में क्लोरोफिल, एमिनो एसिड्स व एन्जाइम आदि के निर्माण में सहायक होता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गन्ने की फसल में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 5 Kg से 10Kg प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 10 Kg, 5 Kg.



बायोअमृत-15 जी

तकनीकी नाम: नाइट्रोबेनजीन 15% जी0

विशेषताएँ: हर प्रकार की फसल के लिए एक शक्तिवर्धक उत्पाद है। फूलों का झड़ना कम हो जाता है व कल्लों की संख्या में निश्चित रूप से वृद्धि करता है। फसल की गुणवत्ता में सुधार होता है। इसका प्रयोग पेस्टीसाइड, इंसेक्टिसाइड एवं फंगीसाइड के साथ किया जा सकता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 1Kg से 2Kg प्रति एकड़ का बुरकाव फसल की अवस्था के अनुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 1Kg.



बोरो-प्लेक्स गोल्ड

तकनीकी नाम: सूक्ष्म पोषक तत्व मिश्रण

विशेषताएँ: बोरो-प्लेक्स गोल्ड में तत्वों की भरपूर मात्रा होने के कारण इसके प्रयोग से फसलों की अत्यधिक पैदावार एवं अति उत्तम गुणवत्ता मिलती है। पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करता है। इसके प्रयोग से खाद्यान्न, तिलहन, दलहन एवं अन्य सभी फसलों में प्रोटीन, स्टार्च, तेल की मात्रा एवं अन्य पौष्टिक तत्वों की वृद्धि होती है। यह पौधों की जड़ों एवं पूर्ण वानस्पतिक विकास में सहायक होता है। पौधों में पाये जाने वाले एन्जाइमों का निर्माण करता है। जो पौधों की अनेक जैविक क्रियाओं एवं खाद संचरण जैसी क्रियाओं में उत्प्रेरक का कार्य करता है। इसमें उपस्थित सल्फर पौधों में फफूंद को आने से रोकता है व हरितिमा का विकास करता है। जड़ों में राइजोबियम की गांठें बढ़ाता है। जिससे नाइट्रोजन, फास्फोरस आदि तत्वों का अवशोषण अधिक होता है। फसलों में लाल मकड़ी की रोकथाम भी करता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, गन्ना, आलू, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेट आदि सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जा सकता है।

प्रयोग की मात्रा: 5 से 10 Kg. प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार करना चाहिए।

उपलब्ध पैकिंग: 5 Kg, 4Kg.



दाम कम उपज ज्यादा इन्ड्री बायो एग्री इण्डस्ट्रीज का वादा

बोरो-सल्फर

तकनीकी नाम: तरल सल्फर

विशेषताएँ:

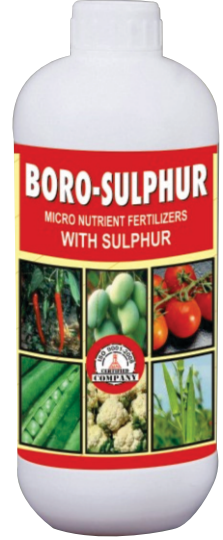
यह फसल की अन्दरुनी रक्षा प्रणाली का एक हिस्सा है। यह कुदरती संरक्षक के रूप में फसल की सफेद मस्सी जैसी बिमारियों एवं चाय, कपास, मिर्च व अंगूर आदि फसलों को लाल स्पाइडर माइट नामक कीट से बचाता है। दलहनी फसलों में प्रोटीन्स की मात्रा में वृद्धि करता है। यह फफूंदनाशक होने की वजह से फफूंद रोकता है। यह पौधे की जड़ों में राइजोबियम की गांठें बढ़ाता है जिससे नाइट्रोजन, फास्फोरस आदि तत्वों का अवशोषण अधिक होता है। यह फसलों में लाल मकड़ी की रोकथाम करता है। तेल वाली फसलों में तेल का उतारा बढ़ाता है। नेत्रजन की चयापचय क्रिया को बढ़ाता है।

उपयोगिता:

इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 250 MI से 500 MI प्रति एकड़ फसल की अवस्था व मौसम के तापमान के अनुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 1 Litre, 500 MI, 250 MI, 100 MI, 50 MI.



चमत्कार गोल्ड

तकनीकी नाम: अमिनो एसिड, ह्यूमिक एसिड, जिबरेलिक एसिड एवं फलविक एसिड

विशेषताएँ:

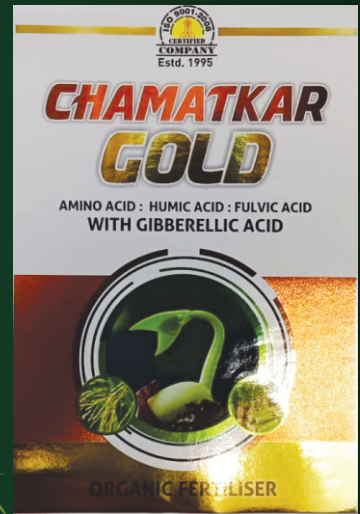
चमत्कार गोल्ड: इसमें अमीनो एसिड, ह्यूमिक एसिड, फुल्विक एसिड, जिबरेलिक एसिड होता है। जो पौधों और जानवरों के मलबे के सूक्ष्मजैविक क्षरण और पथीकरण के अंतिम उत्पाद हैं और उपजाऊ मिट्टी के सबसे महत्वपूर्ण घटकों में से एक हैं। चमत्कार गोल्ड आपकी मिट्टी में ह्यूमस जोड़ने का एक लागत प्रभावी तरीका है।

उपयोगिता:

इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जा सकता है।

प्रयोग की मात्रा: 200 मि०ली० से 250 मि०ली० का 100 लीटर पानी में पूर्णतः छिड़काव फसल की अवस्थानुसार

उपलब्ध पैकिंग: 1 Litre, 500 MI, 250 MI, 100 MI.



सुपर-कैल्शियम

तकनीकी नाम: कैल्शियम क्लोराईड दानेदार।

विशेषताएँ:

कैल्शियम का पौधे के लिए विशेष महत्व है। यह पौधे का आकार, स्थायित्व एवं नयी झिल्लियां बनाने का कार्य करता है। यह पौधे के भीतर टक्कर रोक का काम करता है और दूसरे हानिकारक विषैले रासायनों, जो कि दूसरे पोषक तत्वों से आते हैं, का असर भी खत्म करता है। दानेदार होने की वजह से सुगमता से बुरकाव किया जा सकता है।

उपयोगिता:

इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जा सकता है।

प्रयोग की मात्रा: 500 Gm से 1 Kg. प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 1 Kg.





दाम कम उपज ज्यादा इन्ड्री बायो एग्री इण्डस्ट्रीज का वादा

चमत्कार

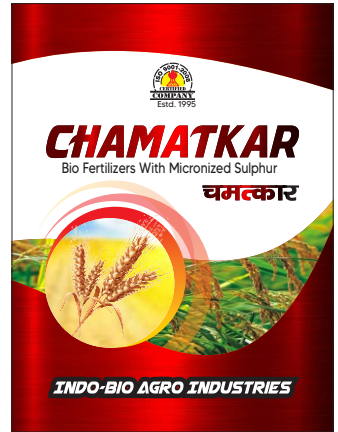
तकनीकी नाम: बायो फर्टीलाइजर्स के साथ माइक्रोनाइज्ड सल्फर

विशेषताएँ: चमत्कार के प्रयोग से फसलों की भरपूर पैदावार एवं उत्तम गुणवत्ता मिलती है। यह कम्पनी का एक रिसर्च उत्पाद है। इसमें सल्फर, पोटाश, जिंक, मैग्निशियम, फेरस, प्राकृतिक रूप में होते हैं एवं विभिन्न प्रकार के एमिनो एसिड्स व ह्यूमिक एसिड का भी समावेश है। यह पौधों की जड़ों एवं पूर्ण वानस्पतिक विकास में सहायक होता है। इसमें उपस्थित सल्फर पौधों में फफूंद आने से रोकता है व तिलहन की फसलों में तेल का उतारा बढ़ाता है। चमत्कार किसी भी फर्टीलाइजर्स के साथ मिलाकर उपयोग किया जा सकता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जा सकता है।

प्रयोग की मात्रा: 5 से 8 किलो ग्राम चमत्कार (फसल के अनुसार) प्रति एकड़ के हिसाब से पहले पानी पर उपयोग करना चाहिए। अच्छे परिणाम के लिए 15-20 दिन के अंतराल में दोबारा प्रयोग करना चाहिए।

उपलब्ध पैकिंग: 3 Kg.



डायना गोल्ड

तकनीकी नाम: ह्यूमिक एसिड, एवं फलविक एसिड

विशेषताएँ: डायना गोल्ड: इसमें अमीनो एसिड, ह्यूमिक एसिड, फुल्विक एसिड, जिवरेलिक एसिड होता है। जो पौधों और जानवरों के मलबे के सूक्ष्मजैविक क्षरण और पशुकरण के अंतिम उत्पाद हैं और उपजाऊ मिट्टी के सबसे महत्वपूर्ण घटकों में से एक हैं। डायना गोल्ड आपकी मिट्टी में ह्यूमस जोड़ने का एक लागत प्रभावी तरीका है।

प्रयोग की मात्रा: 1 से 1.5 कि०ग्रा० डायना गोल्ड प्रति एकड़ जमीन में सिंचाई से पहले बुरकाव करना चाहिए। अच्छे परिणाम के लिए 20-25 दिन के अन्तराल पर दोबारा प्रयोग करना चाहिए।

उपलब्ध पैकिंग: 1 Kg, 500Gm, 200 Gm.



डायना-प्लस

तकनीकी नाम: पोटेसियम ह्यूमेट एवं अमिनो एसिड।

विशेषताएँ: इसके प्रयोग से पौधे की जड़ों का विकास होता है जिससे पौधा खाद रुपी भोजन को पूर्ण रूप से ग्रहण करता है। फूल व फलों का गिरना कम हो जाता है। फसल की मात्रा व गुणवत्ता में वृद्धि होने की वजह से फसलों के उत्पादन में वृद्धि होती है। भूमि में पानी का क्षरण रोकने में सहायता करता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जा सकता है।

प्रयोग की मात्रा: 100 Gm प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 1 Kg, 500Gm, 250 Gm, 100 Gm, 50 Gm, 10 Gm



दाम कम उपज ज्यादा इन्ड्री बायो एग्री इण्डस्ट्रीज का वादा

डायना-85

तकनीकी नाम: पोटेसियम ह्यूमेट ।

विशेषताएँ: इसके प्रयोग से पौधे की जड़ों का विकास होता है जिससे पौधा खाद रुपी भोजन को पूर्ण रुप से ग्रहण करता है। फूल व फलों का गिरना कम हो जाता है। फसल की मात्रा व गुणवत्ता में वृद्धि होने की वजह से फसलों का उत्पादन अधिक होता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जा सकता है।

प्रयोग की मात्रा: 100 Gm प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 250 Gm, 100 Gm, 50 Gm, 10 Gm



डायना-सुपर

तकनीकी नाम: ह्यूमिक एसिड, जिब्रेलिक एसिड पोटेसियम ह्यूमेट

विशेषताएँ: जड़ों को स्वस्थ एवम् अधिक शाखाओं के साथ गहराई तक प्रवेश करने में मदद करता है। जिससे जड़ों के भोजन का क्षेत्रफल बढ़ जाता है एवं पौष्टिक तत्वों को प्रभावशाली ढंग से ग्रहण करने में पौधों की क्षमता कई गुणा बढ़ जाती है। पौधों में फूल, फल व कल्लों की संख्या में बढ़ोत्तरी करता है। फूल व फलों का क्षरण रोकता है एवम् संख्या में वृद्धि करता है, जिसके परिणाम स्वरूप फसल की पैदावार ज्यादा मिलती है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, धान, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जा सकता है।

प्रयोग की मात्रा: 250 MI से 500 MI प्रति एकड़ पर्णय छिड़काव फसलों की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 1 Litre, 500 MI, 250 MI, 100 MI, 50 MI



ह्युमोन

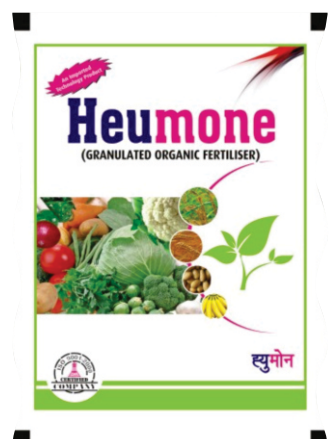
तकनीकी नाम: ह्यूमिक एसिड एवं अमिनो एसिड ।

विशेषताएँ: इसके प्रयोग से पौधे की जड़ों का विकास होता है जिससे पौधा खाद रुपी भोजन को पूर्ण रुप से ग्रहण करता है। फूल व फलों का गिरना कम हो जाता है। फसल की मात्रा व गुणवत्ता में वृद्धि होने की वजह से फसलों के उत्पादन में वृद्धि होती है। भूमि में पानी का क्षरण रोकने में सहायता करता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जा सकता है।

प्रयोग की मात्रा: 100 Gm प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 2 Kg, 1Kg.





दाम कम उपज ज्यादा इन्डो बायो एग्रो इण्डस्ट्रीज का वादा

इन्डो-बोर

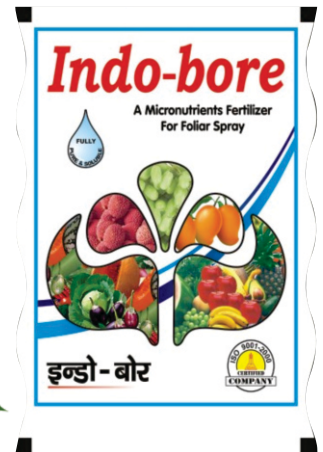
तकनीकी नाम: बोरोन 20%

विशेषताएँ: पौधे में कोशिका विभाजन के लिए मुख्य तत्व है। फूल की परागनली को बढ़ाने में सहायक है, जिससे फल की मात्रा ज्यादा हो जाती है। मुख्यतः सभी फसलों में फटन को रोकने में सहायक है।

उपयोगिता: इसका उपयोग आम, गन्ना, लीची, बंदगोभी, फूलगोभी, सेब आदि में मुख्यतः किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 100 Gm से 250 Gm प्रति एकड़ छिड़काव फसल की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 1 Kg, 100 Gm.



जादू

तकनीकी नाम: पोषक तत्व युक्त जैविक उर्वरक

विशेषताएँ: जादू के प्रयोग से फसलों की अत्यधिक पैदावार एवं उत्तम गुणवत्ता मिलती है। जादू कम्पनी का एक रिसर्च उत्पाद है। इसमें सल्फर, पोटाश, जिंक, मैग्नीशियम, कैल्शियम, प्राकृतिक रूप में होते हैं एवं विभिन्न प्रकार के एमिनो एसिड्स व ह्यूमिक एसिड का भी समावेश है। यह पौधों की जड़ों एवं पूर्ण वानस्पतिक विकास में सहायक होता है। इसमें उपस्थित सल्फर पौधों में फफूंद आने से रोकता है व तिलहन की फसलों में तेल का उतारा बढ़ाता है। जादू किसी भी प्रकार के फर्टिलाइजर्स के साथ मिलाकर उपयोग किया जा सकता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जा सकता है।

प्रयोग की मात्रा: 8 से 10 कि०ग्रा० प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार बुरकाव करना चाहिए।

उपलब्ध पैकिंग: 8 KG.



करिश्मा

तकनीकी नाम: जैविक आधारित जैव उर्वरक

विशेषताएँ: अमिनो एसिड एक आर्गेनिक उत्पाद है इस प्रयोग जड़ों को स्वस्थ एवम् अधिक शाखाओं के साथ गहराई तक प्रवेश करने में मदद करता है। जिससे जड़ों के भोजन का क्षेत्रफल बढ़ जाता है एवं पौष्टिक तत्वों को प्रभावशाली ढंग से ग्रहण करने में पौधों की क्षमता कई गुणा बढ़ जाती है। पौधों में फूल, फल व कल्लों की संख्या में बढ़ोत्तरी करता है। फूल व फलों का क्षरण रोकता है एवम् संख्या में वृद्धि करता है जिसके परिणाम स्वरूप फसल की पैदावार ज्यादा मिलती है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जा सकता है।

प्रयोग की मात्रा: 5 से 8 Kg. प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार बुरकाव करना चाहिए।

उपलब्ध पैकिंग: 5 KG.



दाम कम उपज ज्यादा इन्ड्री बायो एग्री इण्डस्ट्रीज का वादा

मोनो-प्लस

तकनीकी नाम: कार्बनिक खाद (एंजाइम्स)

विशेषताएँ:

हर प्रकार की वनस्पति के लिए एक शक्तिवर्धक उत्पाद है। इसके प्रयोग से पौधों में रोग प्रतिरोधक शक्ति की वृद्धि होती है अर्थात् पौधों में किसी भी प्रकार की व्याधि की संभावना बहुत ही कम हो जाती है। इसके प्रयोग से फूलों व फलों का झड़ना कम हो जाता है व पैदावार निश्चित रूप से ज्यादा होती है एवं फसल की गुणवत्ता में भी सुधार होता है।

उपयोगिता:

इसका प्रयोग गेहूँ, धान, गन्ना, आलू, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 10 Kg. प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार बुरकाव करना चाहिए।

उपलब्ध पैकिंग: 10 Kg., 5 Kg., 1 Kg.



न्यूट्रोन (मुंगफली स्पेशल)

तकनीकी नाम: सूक्ष्म पौषक तत्व मिश्रण

विशेषताएँ:

यह एक उच्च क्वालिटी के सूक्ष्म पौषक तत्वों की मिश्रित खाद है। इसके प्रयोग से मुँगफली की फसल में निश्चित रूप से बढ़ोत्तरी होती है एवं पौधे में रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। यह पौधे में क्लोरोफिल, एमिनो एसिड्स व एन्जाइम आदि के निर्माण में सहायक होता है।

उपयोगिता:

इसका प्रयोग मुंगफली की फसल में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 500 Gm से 1 Kg प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 1 Kg व 500 Gm.



इण्डों एन: पी: के, 19:19:19

तकनीकी नाम: नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटेशियम युक्त मिश्रण

विशेषताएँ:

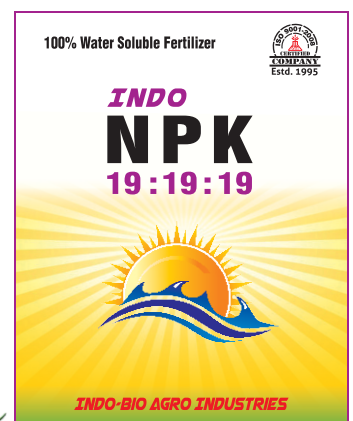
यह मुक्त प्रवाहशील, महीन क्रिस्टलीय खाद है, जो पानी में पूरी तरह से घुलनशील है। यह सबसे महत्वपूर्ण उर्वरक है जिसमें दोनों महत्वपूर्ण पी-के पोषक तत्व होते हैं। सभी प्रकार की फसलों के लिए अधिक फूल और बाहर निकालना फल सेटिंग को शामिल करने में उपयोगी है।

उपयोगिता:

इसका प्रयोग गेहूँ, धान, गन्ना, आलू, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 300 ग्राम से 500 ग्राम प्रति 100 लीटर पानी में मिलाकर फसल की अवस्थानुसार पर्णीय छिड़काव करना चाहिए।

उपलब्ध पैकिंग: 1 Kg



दाम कम उपज ज्यादा इन्ड्री बायो एग्री इण्डस्ट्रीज का वादा

न्यूट्रोन (धान एवं गेहूँ स्पेशल)

तकनीकी नाम: सूक्ष्म पौषक तत्व मिश्रण

विशेषताएँ: यह एक उच्च क्वालिटी के सूक्ष्म पौषक तत्वों की मिश्रित खाद है। इसके प्रयोग से धान एवं गेहूँ की फसल में निश्चित रूप से बढ़ोत्तरी होती है एवं पौधे में रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। यह पौधे में क्लोरोफिल, एमिनो एसिड्स व एन्जाइम आदि के निर्माण में सहायक होता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग धान एवं गेहूँ की फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 500 Gm से 1 Kg प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 1 Kg. व 500 Gm



न्यूट्रोन (आलू स्पेशल)

तकनीकी नाम: सूक्ष्म पौषक तत्व मिश्रण

विशेषताएँ: यह एक उच्च क्वालिटी के सूक्ष्म पौषक तत्वों की मिश्रित खाद है। इसके प्रयोग से आलू की फसल में निश्चित रूप से बढ़ोत्तरी होती है एवं पौधे में रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। यह पौधे में क्लोरोफिल, एमिनो एसिड्स व एन्जाइम आदि के निर्माण में सहायक होता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग आलू की फसल में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 500 Gm से 1 Kg प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 1 Kg. व 500 Gm



न्यूट्रोलीन-एन

तकनीकी नाम: अमीनो एसिड, नाइट्रोबेंजीन एवं जिब्रेलिक एसिड।

विशेषताएँ: जड़ों को स्वस्थ एवम् अधिक शाखाओं के साथ गहराई तक प्रवेश करने में मदद करता है। जिससे जड़ों के भोजन का क्षेत्रफल बढ़ जाता है पौधों में फूल, फल व कल्लों की संख्या में बढ़ोत्तरी करता है। फूल व फलों का क्षरण रोकता है जिसके परिणाम स्वरूप फसल की पैदावार ज्यादा मिलती है। पौधों में पत्तों द्वारा प्रकाश संश्लेषण की क्रिया की तीव्रता को बढ़ाता है अर्थात् कम समय में ज्यादा भोजन का निर्माण होता है। यह जमीन से प्राप्त पौष्टिक तत्वों को प्रभावशाली ढंग से ग्रहण करने में पौधों की क्षमता को कई गुणा बढ़ाता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, केला, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 100 MI से 150 MI प्रति एकड़ का पर्णार्थ छिड़काव फसल की अवस्था के अनुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 1 Litre, 500 MI, 250 MI, 100 MI, 50 MI



दाम कम उपज ज्यादा इन्ड्री बायो एग्री इण्डस्ट्रीज का वादा

न्यूट्रोन (लहसुन व प्याज स्पेशल)

तकनीकी नाम: सूक्ष्म पौषक तत्व मिश्रण

विशेषताएँ: यह एक उच्च क्वालिटी के सूक्ष्म पौषक तत्वों की मिश्रित खाद है। इसके प्रयोग से लहसुन व प्याज की फसल में निश्चित रूप से बढ़ोत्तरी होती है एवं पौधे में रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। यह पौधे में क्लोरोफिल, एमिनो एसिड्स व एन्जाइम आदि के निर्माण में सहायक होता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग लहसुन एवं प्याज की फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 500 Gim से 1Kg प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 1 Kg व 500 Gm.



ऑक्टैन

तकनीकी नाम: बायो स्टीमूलेन्ट, एक्टीवेटर एवं प्रोटीन हाइड्रोलाइजेट।

विशेषताएँ: जड़ों को स्वस्थ एवं अधिक शाखाओं के साथ गहराई तक प्रवेश करने में मदद करता है। जिससे जड़ों के भोजन का क्षेत्रफल बढ़ जाता है। जिससे पौष्टिक तत्वों को प्रभावशाली ढंग से ग्रहण करने में पौधों की क्षमता कई गुणा बढ़ जाती है। पौधों में फूल, फल व कली की संख्या में बढ़ोत्तरी करता है। फूल व फलों का धरण रोकता है एवं संख्या में वृद्धि करता है। जिसके परिणामस्वरूप फसल की पैदावार ज्यादा मिलती है। पौधों में पत्तों द्वारा प्रकाश संश्लेषण की क्रिया की तीव्रता को बढ़ाता है अर्थात् कम समय में ज्यादा भोजन का निर्माण होता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेट आदि सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 5 किग्रा प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार बुरकाव करना चाहिए।

उपलब्ध पैकिंग: 20 Kg, 10 Kg, 5 Kg, 1 Kg.



ओक्टेन सुपर

तकनीकी नाम: बायो स्टीमूलेन्ट, एक्टीवेटर, प्रोटीन हाइड्रोलाइजेट एवं जिब्रेलिक एसिड।

विशेषताएँ: जड़ों को स्वस्थ एवं अधिक शाखाओं के साथ गहराई तक प्रवेश करने में मदद करता है। जिससे जड़ों के भोजन का क्षेत्रफल बढ़ जाता है। जिससे पौष्टिक तत्वों को प्रभावशाली ढंग से ग्रहण करने में पौधों की क्षमता कई गुणा बढ़ जाती है। पौधों में फूल, फल व कलियों की संख्या में बढ़ोत्तरी करता है। फूल व फलों का क्षरण रोकता है एवं संख्या में वृद्धि करता है। जिसके परिणामस्वरूप फसल की पैदावार ज्यादा मिलती है। पौधों में पत्तों द्वारा प्रकाश संश्लेषण की क्रिया की तीव्रता को बढ़ाता है अर्थात् कम समय में ज्यादा भोजन का निर्माण होता है।

उपयोगिता: इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेट आदि सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जा सकता है।

प्रयोग की मात्रा: 2 किग्रा प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार बुरकाव करना चाहिए।

उपलब्ध पैकिंग: 2 kg.



दाम कम उपज ज्यादा इन्ड्री बायो एग्री इण्डस्ट्रीज का वादा

पोलन (तरल)

तकनीकी नाम: एंजाइम युक्त बायो फर्टीलाइजर

विशेषताएँ:

पौधों पर विभिन्न प्रकार से कार्य करता है। पोलन हारमोन्स, विटामिंस, बायो-फर्टीलाइजर्स का आदर्श मिश्रण है। इसके प्रयोग से पौधे में किसी भी प्रकार का साइड इफैक्ट नहीं होता व पौधा सम्पूर्ण विकास करता है। पोलन का पौधों पर प्रयोग करने से फूलों एवं शाखाओं का विकास होता है। इसके इस्तेमाल करने पर कोशिकाओं का आकार बढ़ता है। तने की लम्बाई बढ़ती है। श्रेष्ठता आती है निष्क्रियता टूटती है एवं फूलों के आकार में वृद्धि होती है। जिससे उत्पादन में बढोत्तरी होती है व पौधों का सम्पूर्ण विकास होता है।

उपयोगिता:

इसका प्रयोग गेहूँ, धान, गन्ना, आलू, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जा सकता है।

प्रयोग की मात्रा: 150 MI. से 200 MI. प्रति एकड़ फसल की अवस्थानुसार पर्णाय छिड़काव करना चाहिए।

उपलब्ध पैकिंग: 1Ltr, 500 MI, 250MI, 100 MI, 50 MI.



शक्ति-प्लस

तकनीकी नाम: प्रोटीन हाइड्रोलाइजेट (अमीनो एसिड्स)

विशेषताएँ:

फसल की निरोगी व सशक्त बढोत्तरी होती है। जड़ प्रणाली मजबूत होती है। फसल हरी भरी रहती है। फल धारण करने वाली शाखाओं की संख्या में वृद्धि होती है। फूल-फल का क्षरण रुक जाता है। प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति बढ़ती है। निश्चित रूप से उत्पादन में वृद्धि होती है। फल का आकार भी बढ़ जाता है।

उपयोगिता:

इसका प्रयोग गेहूँ, धान, आलू, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 8 Kg. से 10 Kg. प्रति एकड़ का बुरकाव फसल की अवस्था के अनुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 50 Kg, 20 Kg, 10 Kg, 5 Kg.



सल्फोवेट (डब्ल्यू जी)

तकनीकी नाम: सल्फर 90% दानेदार

विशेषताएँ:

यह फसल की अन्दरूनी रक्षा प्रणाली का एक हिस्सा है। यह कुदरती संरक्षक के रूप में फसल के सफेद मस्सी जैसी बिमारियों एवं चाय, कपास, मिर्च व अंगूर आदि फसलों को लाल स्पाइडर माइट नामक कीट से बचाता है। दलहनी फसलों में प्रोटीन्स की मात्रा में वृद्धि करता है। यह फफूंदनाशक होने की वजह से फफूंद रोकता है व हरीतिमा का विकास करता है। यह पौधे की जड़ों में राइजोबियम की गांठें बढ़ाता है जिससे नाइट्रोजन, फास्फोरस आदि तत्वों का अवशोषण अधिक होता है। यह फसलों (जीरा, धनिया, मटर, अफीम, मेथी) में लाल मकड़ी की रोकथाम करता है। तेल वाली फसलों में तेल का उतारा बढ़ाता है। नेत्रजन की चयापचय क्रिया को बढ़ाता है। पूर्णतः घुलनशील होता है जिससे पौधों पर जल्द ही व ज्यादा असर होता है।

उपयोगिता:

इसका प्रयोग गेहूँ, धान, गन्ना, आलू, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जा सकता है।

प्रयोग की मात्रा: 3Kg. प्रति एकड़ फसल की अवस्था व मौसम के तापमान के अनुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 3Kg, 1Kg.



दाम कम उपज ज्यादा इन्ड्री बायो एग्री इण्डस्ट्रीज का वादा

सिल्कोवेट

तकनीकी नाम: सिलिकॉन सरफेक्टेंट

विशेषताएँ:

सिल्कोवेट एक नॉन आयनिक पानी में घुलनशील अति प्रभावी सिलिकॉन वेटींग एवं स्प्रेडिंग एजेंट है। यह एग्री कैमिकल्स को पौधे पर फैलाने, अवशोषित करने और गीला रखने में मदद करता है। जिससे एग्री कैमिकल्स की मात्रा 20-25% कम प्रयोग होती है। सिल्कोट को किसी भी एग्री कैमिकल उत्पाद बनाने में और छिड़काव के साथ मिलाकर उपयोग किया जाता है। यह लगभग सभी एग्री कैमिकल्स के साथ उपयोग किया जा सकता है।

उपयोगिता:

इसका प्रयोग गेहूँ, धान, गन्ना, आलू, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जा सकता है।

प्रयोग की मात्रा: 30 मि0ली0 से 50 मि0ली0 प्रति 150 लीटर पानी में अच्छी तरह मिलाकर पर्णय छिड़काव करें।

उपलब्ध पैकिंग: 1 LTR, 500 ML, 250 ML, 100 ML, 50 ML, 25 ML.



तेजस

तकनीकी नाम: बायो फर्टीलाइजर्स एवं प्राकृतिक तत्व

विशेषताएँ:

तेजस के प्रयोग से फसलों की अत्यधिक पैदावार एवं उत्तम गुणवत्ता मिलती है तेजस कम्पनी का एक रिसर्च उत्पाद है। इसमें सल्फर, पोटाश, जिंक, मैग्नीशियम, फेरस, प्राकृतिक रूप में होते हैं एवं विभिन्न प्रकार के एमिनो एसिड्स व ह्यूमिक एसिड का भी समावेश है। यह पौधों की जड़ों एवं पूर्ण वानस्पतिक विकास में सहायक होता है। इसमें उपस्थित सल्फर पौधों में फफूंद आने से रोकता है। व तिलहन की फसलों में तेल का उतारा बढ़ाता है। तेजस किसी भी प्रकार के फर्टीलाइजर्स के साथ मिलाकर उपयोग किया जा सकता है।

उपयोगिता:

इसका प्रयोग गेहूँ, धान, गन्ना, आलू, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जा सकता है।

प्रयोग की मात्रा: 5Kg. से 10kg. प्रति एकड़ फसल की अवस्था व मौसम के तापमान के अनुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 10 kg.



विनर-गोल्ड

तकनीकी नाम: ह्यूमिक एसिड एवं जिब्रेलिक एसिड।

विशेषताएँ:

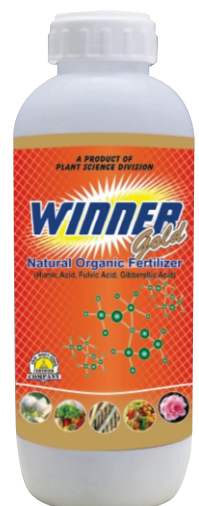
जड़ों की स्वस्थ एवम् अधिक शाखाओं के साथ गहराई तक प्रवेश करने में मदद करता है। जिससे जड़ों के भोजन का क्षेत्रफल बढ़ जाता है एवं पौष्टिक तत्वों को प्रभावशाली ढंग से ग्रहण करने में पौधों की क्षमता कई गुणा बढ़ जाती है। पौधों में फूल, फल व कल्लों की संख्या में बढ़ोत्तरी करता है। फूल व फलों का क्षरण रोकता है एवम् संख्या में वृद्धि करता है, , जिसके परिणाम स्वरूप फसल की पैदावार ज्यादा मिलती है

उपयोगिता:

इसका प्रयोग गेहूँ, धान, गन्ना, आलू, धान, गन्ना, चना, मटर, सरसों, प्याज, गाजर, पालक, मूली, अफीम, तम्बाकू, पिपरमेंट आदि सहित सभी तिलहनी व दलहनी फसलों में किया जाता है।

प्रयोग की मात्रा: 250 MI से 500 MI प्रति एकड़ पर्णय छिड़काव फसलों की अवस्थानुसार।

उपलब्ध पैकिंग: 1 Litre, 500 MI, 250 MI, 100 MI, 50 MI.





Manufactured by:
INDO-BIO AGRO INDUSTRIES

For Any Complaints & Queries Contact

 **www.indobioagroindustries.com**

 **ibaisml@gmail.com**

 **B-5 Industrial Estate, Shamli- 247776**